दैनिक भास्कर जींद भास्कर 18-03-2026



अतुल्य भारत कार्यक्रम • सीआरएसयू में देश के विभिन्न राज्यों के 120 कलाकारों ने दीं प्रस्तुतियां

# मंच पर दिखी विभिन्न राज्यों की संस्कृति की झलक, कलाकारों ने लोक नृत्य से मोहा मन

जींद. अपनी प्रस्तुति देते पंजाबी कलाकार।

जींद. नृत्य करती राजस्थानी कलाकार।

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में मंगलवार को अतुल्य भारत कार्यक्रम के दूसरे दिन देश के विभिन्न राज्यों के 120 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसका आयोजन उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज द्वारा किया जा रहा है। यह कार्यक्रम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोककला और परंपराओं को एक मंच पर प्रस्तुत करने का अनूठा प्रयास है। सीआरएसयू के वाइस चांसलर डॉ. रामपाल सैनी ने कहा कि देश की विविधता में एकता की झलक इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषता है, जहां हर प्रस्तुति भारतीय संस्कृति की गहराई और सुंदरता को दर्शाती है। ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, राजस्थान और नागालैंड के कलाकार दलों ने अपने-अपने लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के कोआर्डिनेटर डॉ. कृष्ण कुमार, सेक्रेटरी राजपाल पांचाल समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत मध्यप्रदेश की बैगा आदिवासी जनजाति के कर्मा नृत्य से हुई, जिसमें बांसुरी और ढोल की धुन पर कलाकारों ने घेरा बनाकर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद पंजाब के बठिंडा से आए टीम लीडर अमनदीप सिंह के नेतृत्व में 10 सदस्यीय दल ने जिंदुआ प्रस्तुत जिंदवा बैसाखी के अवसर पर किया जाता है जिसमें बोलियों के माध्यम से लड़के और लड़कियों द्वारा नृत्य किया जाता है। इसमें जिंद माही जे चलिए पटियाले... जैसी बोलियों पर जिंदवा प्रस्तुत किया गया।

तीसरे क्रम में उत्तराखंड के कलाकारों ने पारंपरिक चाचरी नृत्य प्रस्तुत किया, जिसमें रंग-बिरंगे परिधानों में घेरा बनाकर सुंदर प्रस्तुति दी गई। इसमें लड़के और लड़कियों ने पारंपरिक गीत पर डांस कर प्रस्तुति दी। चौथे क्रम में राजस्थान की महिलाओं ने 80 कलियों वाले घाघरे में प्रसिद्ध चकरी नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पांचवें क्रम में नागालैंड की महिला कलाकारों ने हे ही जैसे पारंपरिक गीत पर पारंपरिक परिधान अनतु पहनकर मोत्सु फेस्टिवल से जुड़ा स्प्रिंग डांस प्रस्तुत किया, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

इसके बाद उत्तराखंड की महिलाओं ने महरूम कलर के परिधान पहन और पुरुषों ने नारंगी और आसमानी रंग के पजामा कुर्ता पहन एक और नृत्य प्रस्तुत किया। इसी कड़ी में राजस्थान की महिला टीम ने हरे और नारंगी पाट के घाघरे चोली पहने सर पर घड़े रख एक और नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसमें पुरुषों की टीम म्यूजिक गाने और बजाने में अपना योगदान दे रही थी।

अंत में पंजाबी पुरुषों के भंगड़े के साथ कार्यक्रम को सम्पन्न किया गया। जिसमें पंजाबी गायक व टीम लीडर अमनदीप सिंह ने साड्डी कॉलेज दी कंध उत्ते हानियां की इक्क कली... गाकर भंगड़े की शुरुआत की और कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया अंत में सभी कलाकारों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश अपनी प्रस्तुति देंगे।

# अतुल्य भारत की गूंज...मंच पर 120 कलाकारों ने बिखेरे लोक संस्कृति के रंग

## फोक डांस फेस्टिवल में दिखी उत्तराखंड के पहाड़ों की धुन व नागालैंड की साहसिक परंपराएं

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय फोक डांस फेस्टिवल के दूसरे दिन देश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का अनूठा संगम देखने को मिला। 16 से 18 मार्च तक चलने वाले उत्सव में कलाकारों ने अपनी पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

**18**

**मार्च तक चलेगा उत्सव**

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर रहे। धर्मवीर मिर्जापुर ने कहा कि यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भारत की अनेकता में एकता का जीवंत प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि भारत की विशाल सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें हजारों साल पुरानी सभ्यता और अनगिनत लोक कलाएं शामिल हैं, हमें वैश्विक स्तर पर अद्वितीय बनाती हैं। ऐसे मंचों के माध्यम से युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने और अपनी विरासत को संरक्षित करने की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. कृष्ण कुमार ने कहा कि एनसीडीसी प्रयागराज की ओर से आयोजित यह उत्सव विश्वविद्यालय में हो रहा है।

उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने मेजबान के तौर पर सभी मेहमान कलाकारों के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। इस फेस्टिवल ने यह सिद्ध कर दिया कि वेशभूषा और भाषा भले ही भिन्न हों लेकिन हमारी सांस्कृतिक आत्मा एक है।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में कार्यक्रम में विजेता को प्रमाण पत्र देते आयोजक। संवाद

### कलाकारों ने दीं आठ शानदार प्रस्तुतियां

कार्यक्रम के दूसरे दिन 120 कलाकारों ने आठ शानदार प्रस्तुतियां दीं। उत्तराखंड के शांत पहाड़ों की धुन, नागालैंड की साहसिक परंपराएं, राजस्थान की रंगीली संस्कृति, मध्य प्रदेश के जनजातीय नृत्य और पंजाब के जोशीले भांगड़े ने दर्शकों को अपनी सीटों से उठने पर मजबूर कर दिया। पारंपरिक वाद्ययंत्रों और रंग-बिरंगे परिधानों ने पूरे माहौल को उत्सव के रंगों में सराबोर कर दिया।

सीआरएसयू में सांस्कृतिक नृत्य करते कलाकार। स्रोत : विवि

## 12वीं की संस्कृत व उर्दू की हुईं परीक्षाएं

जींद। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से 10वीं कक्षा की संस्कृत, पंजाबी और 12वीं कक्षा की संस्कृत, उर्दू व बायो टेक्नोलॉजी की परीक्षाएं मंगलवार को नकल रहित और शांतिपूर्ण ढंग से हुईं। परीक्षा केंद्रों का फ्लाइंग स्क्वायड टीमों ने जायजा लिया।

जिला प्रश्नपत्र टीम के अधीक्षक राजेंद्र कुमार सिरोहा ने बताया कि सोमवार को आयोजित परीक्षाएं निर्बाध रहीं और उड़नदस्ता टीमों ने केंद्रों का औचक निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया।

परीक्षाओं को निष्पक्ष और बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त रखने के लिए प्रशासन ने सभी केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में धारा 163 लागू कर दी है जिसके तहत पांच या अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने पर पूर्ण प्रतिबंध है।

केंद्रों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि शरारती तत्वों पर लगाम कसी जा सके। विद्यार्थियों की एंट्री के समय उनके एडमिट कार्ड और आधार कार्ड की सघन जांच की गई।

बोर्ड के सख्त निर्देशों के अनुसार, बिना सत्यापित फोटो और वैध पहचान पत्र के किसी भी परीक्षार्थी को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन और कैलकुलेटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना पूरी तरह वर्जित है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 10वीं की परीक्षाएं 20 मार्च और 12वीं की परीक्षाएं एक अप्रैल तक जारी रहेंगी। प्रशासन का उद्देश्य परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाना है। सभी केंद्रों पर नियमों की कड़ाई से पालन हो रहा है। संवाद

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 18 Mar 2026 - Page 2



## सीआरएसयू में अतुल्य भारत के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम का दूसरा दिन

# विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपनी लोक संस्कृति का बिखेरा जादू

### परंपरा, संगीत और नृत्य का संगम, फेस्टिवल के दूसरे दिन छाया उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में अतुल्य भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय फोक डांस फेस्टिवल का दूसरा दिन रंग, उत्साह और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर रहा। देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपनी पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया और पूरे परिसर को लोक संस्कृति के रंगों में सराबोर कर दिया। यह भव्य सांस्कृतिक उत्सव 16 मार्च से 18 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमें देश के कोने-कोने से आए कलाकार भारत की समृद्ध लोक परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम के दूसरे दिन हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में धर्मवीर मिर्जापुर ने कहा कि यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नही बल्कि भारत की गौरवशाली परंपराओंए विविध संस्कृतियों और समृद्ध विरासत का उत्सव है।

जींद। मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते हुए टीमें। फोटो :हरिभूमि

उन्होंने कहा कि भारत को विविधताओं का देश कहा जाता है, जहां हर कुछ किलोमीटर पर भाषा, खान-पान, पहनावा और परंपरा बदल जाती है लेकिन इन सबके बीच हमारी साझा भारतीय संस्कृति हमें एक सूत्र में बांधे रखती है। यही संस्कृति हमें एकता, भाईचारे और सह.अस्तित्व का संदेश देती है। उन्होंने आगे कहा कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर अत्यंत विशाल और विविधतापूर्ण है। हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता, अनेक भाषाएं, विभिन्न धर्म, लोक परम्परा, शास्त्रीय कलाओं और अनगिनत लोक नृत्य एवं संगीत की परंपरा हमारे देश को अद्वितीय बनाती हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुडने का अवसर मिलता है और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने में भी मदद मिलती है। कार्यक्रम के दूसरे दिन लगभग 120 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आज उत्तराखंड, नागालैंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और पंजाब से आए कलाकारों ने अपनी-अपनी लोक कलाओं का शानदार प्रदर्शन किया। रंग बिरंगे परिधानों, पारंपरिक संगीत और जोशीले नृत्य ने माहौल को जीवंत बना दिया। हर प्रस्तुति में उस क्षेत्र की संस्कृति, इतिहास और जीवनशैली की झलक देखने को मिली। इस दौरान कुल आठ प्रस्तुतियां दी गई। जिनमें प्रत्येक प्रस्तुति ने दर्शकों को अलग-अलग राज्यों की सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराया। दर्शकों ने भी कलाकारों की हर प्रस्तुति पर तालियों की गडग़ड़ाहट से उनका उत्साह बढ़ाया। समग्र रूप से फोक डांस फेस्टिवल का दूसरा दिन भारत की अनेकता में एकता की भावना को साकार करता नजर आया। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम बनाए बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता का भी सशक्त संदेश देने में सफल रहा। मंच पर प्रस्तुत हर नृत्य में उस क्षेत्र की परंपरा, जीवनशैली और सांस्कृतिक विरासत की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

### दर्शकों ने लिया आनंद

रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान, लोक संगीत की मधुर धुनें और कलाकारों की ऊर्जा से भरपूर अभिव्यक्ति ने कार्यक्रम को अत्यंत आकर्षक और यादगार बना दिया। दर्शक भी पूरे उत्साह के साथ हर प्रस्तुति का आनंद लेते नजर आए और तालियों की गूंज से कलाकारों का हौसला बढ़ाते रहे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संयोजक डा. कृष्ण कुमार ने बताया कि इस तीन दिवसीय आयोजन में देशभर से आए कलाकार अपनी-अपनी लोक संस्कृति का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम होते हैं बल्कि विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक धरोहर को एक मंच पर लाकर आपसी समझ, सम्मान और एकता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने बताया कि यह भव्य आयोजन एनसीडीसी प्रयागराज द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जबकि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय इस कार्यक्रम का मेजबान बनकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

# अतुल्य भारत कार्यक्रम : पारंपरिक लोक नृत्य की शैलियों ने मोहा दर्शकों का मन

## भारत विविधताओं का देश, हर कुछ किलोमीटर पर भाषा, खान-पान मिलता अलग

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में अतुल्य भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय फोक डांस फेस्टिवल का दूसरा दिन रंग, उत्साह और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर रहा। देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपनी पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल मोह लिया और पूरे परिसर को लोक संस्कृति के रंगों में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के दूसरे दिन हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

धर्मवीर मिर्जापुर ने कहा कि यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली परंपराओं, विविध संस्कृतियों और समृद्ध विरासत का उत्सव है। उन्होंने कहा कि भारत को विविधताओं का देश कहा जाता है, जहां हर कुछ किलोमीटर पर भाषा, खान-पान, पहनावा और परंपरा बदल जाती हैं, लेकिन इन सबके बीच हमारी साझा भारतीय संस्कृति हमें एक सूत्र में बांधे रखती है। यही संस्कृति हमें एकता, भाईचारे और सह-अस्तित्व का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर अत्यंत विशाल और विविधतापूर्ण है।

हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता, अनेक भाषाएं, विभिन्न धर्म, लोक परंपरा, शास्त्रीय कलाओं और लोक नृत्य व संगीत की परंपरा हमारे देश को अद्वितीय बनाती हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने में भी मदद मिलती है। कार्यक्रम के दूसरे दिन 120 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मंगलवार को उत्तराखंड, नागालैंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश और पंजाब से आए कलाकारों ने अपनी-अपनी लोक कलाओं का शानदार प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगे परिधानों, पारंपरिक संगीत और जोशीले नृत्य ने माहौल को जीवंत बना दिया। हर प्रस्तुति में उस क्षेत्र की संस्कृति, इतिहास और जीवनशैली की झलक देखने को मिली।

सीआरएसयू में आयोजित तीन दिवसीय फोक डांस फेस्टिवल में प्रस्तुति देते हुए कलाकार। • सौजन्य सीआरएसयू

### देशभर से आए हुए हैं सैकड़ों कलाकार

संयोजक डा. कृष्ण कुमार ने बताया कि इस तीन दिवसीय आयोजन में देशभर से आए कलाकार अपनी-अपनी लोक संस्कृति का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम होते हैं, बल्कि विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक धरोहर को एक मंच पर लाकर आपसी समझ, सम्मान और एकता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने बताया कि यह भव्य आयोजन एनसीडीसी प्रयागराज द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जबकि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय इस कार्यक्रम का मेजबान बनकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पंजाब केसरी
WED,18 MARCH 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

केसरी
बुधवार WEDNESDAY, 18 मार्च 2026

## अतुल्य भारत फोक डांस फैस्टिवल का दूसरा दिन

# लोक संस्कृति के रंगों में रंगा विश्वविद्यालय परिसर

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर आरम्भ करते मुख्यातिथि हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर। (संदीप)

कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करती महिलाएं। (संदीप)

जींद, 17 मार्च (संदीप मलिक): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में अतुल्य भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित 3 दिवसीय फोक डांस फैस्टिवल का दूसरा दिन रंग, उत्साह और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर रहा। देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपनी पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया और पूरे परिसर को लोक संस्कृति के रंगों में सराबोर कर दिया।

यह भव्य सांस्कृतिक उत्सव 16 से 18 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश के कोने-कोने से आए कलाकार भारत की समृद्ध लोक परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम के दूसरे दिन हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

धर्मवीर मिर्जापुर ने कहा कि यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली परंपराओं, विविध संस्कृतियों और समृद्ध विरासत का उत्सव है। उन्होंने कहा कि भारत को विविधताओं का देश कहा जाता है, जहां हर कुछ किलोमीटर पर भाषा, खान-पान, पहनावा और परंपराएं बदल जाती हैं, लेकिन इन सबके बीच हमारी सांझा भारतीय संस्कृति हमें एक सूत्र में बांधे रखती है। यही संस्कृति हमें एकता, भाईचारे और सह-अस्तित्व का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर अत्यंत विशाल और विविधतापूर्ण है।

हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता, अनेक भाषाएं, विभिन्न धर्म, लोक परंपराएं, शास्त्रीय कलाएं और अनगिनत लोक नृत्य एवं संगीत की परंपराएं हमारे देश को अद्वितीय बनाती हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने में भी मदद मिलती है।

कार्यक्रम के दूसरे दिन लगभग 120 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्तराखंड, नागालैंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश और पंजाब से आए कलाकारों ने अपनी-अपनी लोक कलाओं का शानदार प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगे परिधानों, पारंपरिक संगीत और जोशीले नृत्य ने माहौल को जीवंत बना दिया। हर प्रस्तुति में उस क्षेत्र की संस्कृति, इतिहास और जीवनशैली की झलक देखने को मिली। इस दौरान कुल 8 प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें प्रत्येक प्रस्तुति ने दर्शकों को अलग-अलग राज्यों की सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराया। दर्शकों ने भी कलाकारों की हर प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साह बढ़ाया।

समग्र रूप से, फोक डांस फैस्टिवल का दूसरा दिन भारत की अनेकता में एकता की भावना को साकार करता नजर आया। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता का भी सशक्त संदेश देने में सफल रहा। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में अतुल्य भारत कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित 3 दिवसीय फोक डांस फैस्टिवल का दूसरा दिन रंग, उल्लास और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम बनकर सामने आया। देश के विभिन्न राज्यों से आए लोक कलाकारों ने अपनी पारंपरिक नृत्य शैलियों की मनमोहक प्रस्तुतियों से न केवल दर्शकों का दिल जीत लिया, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय परिसर को लोक संस्कृति के जीवंत रंगों से सराबोर कर दिया।

## कलाकारों का डांस देख झूमने को विवश हुए विश्वविद्यालय के छात्र

**विभिन्न** प्रदेशों के डांस कलाकार विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को इस कदर समां बांधते नजर आए कि उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को भी झूमने पर मजबूर कर दिया और सामने बैठी छात्राओं ने खूब तालियां बजाईं और उनकी किलकारियों से पूरा ऑडिटोरियम गूंजता दिखाई दिया।

मंच पर प्रस्तुत हर नृत्य में उस क्षेत्र की परंपरा, जीवनशैली और सांस्कृतिक विरासत की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान, लोक संगीत की मधुर धुनें और कलाकारों की ऊर्जा से भरपूर अभिव्यक्ति ने कार्यक्रम को अत्यंत आकर्षक और यादगार बना दिया। दर्शक भी पूरे उत्साह के साथ हर प्रस्तुति का आनंद लेते नजर आए और तालियों की गूंज से कलाकारों का हौसला बढ़ाते रहे।

कार्यक्रम के अंत में जानकारी देते हुए संयोजक डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि इस 3 दिवसीय आयोजन में देशभर से आए कलाकार अपनी अलग-अलग लोक संस्कृति का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम होते हैं, बल्कि विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक धरोहर को एक मंच पर लाकर आपसी समझ, सम्मान और एकता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने बताया कि यह भव्य आयोजन एन.सी.जैड.डी.सी. प्रयागराज द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जबकि चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय इस कार्यक्रम का मेजबान बनकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. रामपाल सैनी के निर्देशन में विश्वविद्यालय प्रशासन और आयोजन समिति द्वारा सभी कलाकारों और अतिथियों के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित हो रहा है।

इस फैस्टिवल के माध्यम से अनेकता में एकता की भारतीय भावना सजीव होती नजर आई। अलग-अलग राज्यों की लोक कलाओं ने यह सिद्ध किया कि भले ही हमारी भाषाएं, वेशभूषा और परंपराएं अलग-अलग हों, लेकिन हमारी सांस्कृतिक आत्मा एक ही है। यह आयोजन न केवल कलाकारों के लिए अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच बना, बल्कि दर्शकों के लिए भी भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत को करीब से जानने और समझने का एक सुनहरा अवसर साबित हो रहा है।

कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते कलाकार। (संदीप)

## रणबीर सिंह विवि में लोक नृत्य महोत्सव का दूसरा दिन

# 'भारत को एक सूत्र में पिरोती है संस्कृति'

जींद, 17 मार्च (हप्र)

अतुल्य भारत कार्यक्रम के अंतर्गत चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय लोक नृत्य महोत्सव का दूसरा दिन रंग, उत्साह और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर रहा। विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपनी पारंपरिक लोक नृत्य शैलियों की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया और पूरे परिसर को लोक संस्कृति के रंगों में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के दूसरे दिन हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली परंपराओं, विविध संस्कृतियों और समृद्ध विरासत का उत्सव है। भारत को विविधताओं का देश कहा जाता है, जहां हर कुछ किलोमीटर पर भाषा, खान-पान, पहनावा और परंपरा बदल जाती हैं, लेकिन इन सबके बीच हमारी साझा भारतीय संस्कृति हमें एक सूत्र में बांधे रखती है। यही संस्कृति हमें एकता, भाईचारे और सह-अस्तित्व का संदेश देती है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर अत्यंत विशाल और विविधतापूर्ण है। हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता, अनेक भाषाएँ, विभिन्न धर्म, लोक परम्परा, शास्त्रीय कलाओं और अनगिनत लोक नृत्य एवं संगीत की परंपरा हमारे देश को अद्वितीय बनाती हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलता है और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने में भी मदद मिलती है।

जींद में मंगलवार को सीआरएसयू में आयोजित कार्यक्रम में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुंत करती लोक कलाकार। -हप्र

### 120 कलाकारों ने दी प्रस्तुति

कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को लगभग 120 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्तराखंड, नागालैंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश और पंजाब से आए कलाकारों ने अपनी-अपनी लोक कलाओं का शानदार प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगे परिधानों, पारंपरिक संगीत और जोशीले नृत्य ने माहौल को जीवंत बना दिया।

हर प्रस्तुति में उस क्षेत्र की संस्कृति, इतिहास और जीवनशैली की झलक देखने को मिली। इस दौरान कुल आठ प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें प्रत्येक प्रस्तुति ने दर्शकों को अलग-अलग राज्यों की सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराया। दर्शकों ने भी कलाकारों की हर प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साह बढ़ाया।

समग्र रूप से फोक डांस फेस्टिवल का दूसरा दिन भारत की अनेकता में एकता की भावना को साकार करता नजर आया। इस अवसर पर महोत्सव के संयोजक डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि इस तीन दिवसीय आयोजन में देशभर से आए कलाकार अपनी-अपनी लोक संस्कृति का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम होते हैं, बल्कि विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक धरोहर को एक मंच पर लाकर आपसी समझ, सम्मान और एकता को भी मजबूत करते हैं।